9

बतख और चूजा

25832K

अंडे में से बतख का बच्चा निकला।
लो, मैं आ गया–
बतख का बच्चा बोला।

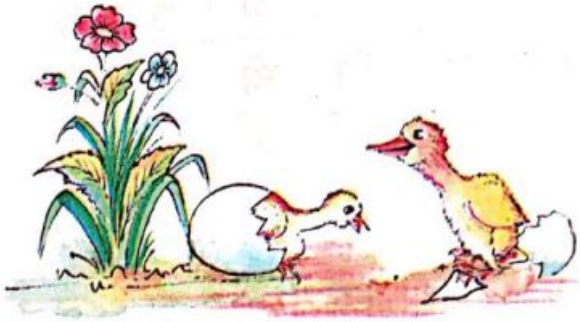

एक और अंडे में से मुर्गी का
चूजा निकला। मैं भी आ गया–
चूजा बोला।

मैं घूमने जा रहा हूँ–
बतख का बच्चा बोला।
मैं भी घूमने चलूँगा–चूजा बोला।

मैं गड्ढा खोद रहा हूँ–
बतख का बच्चा बोला।
मैं भी गड्ढा खोदूँगा–चूजा बोला।

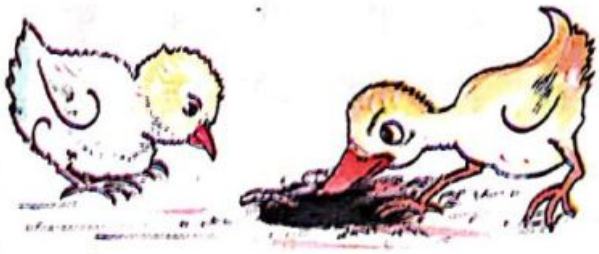

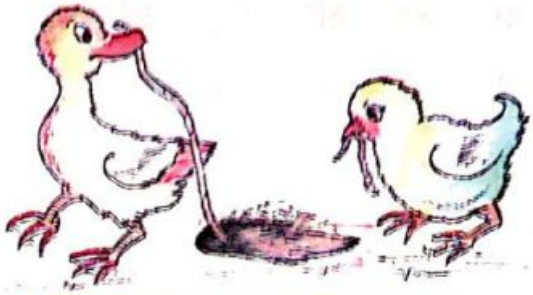

मुझे एक केंचुआ मिला–
बतख का बच्चा बोला।
मुझे भी केंचुआ मिला–चूजा बोला।

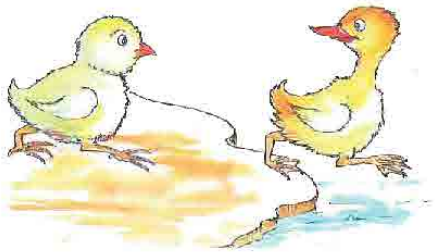

मैं तैरना चाहता हूँ–
बतख का बच्चा बोला।
मैं भी तैरूँगा– चूजा बोला।

देखो मैं तैर रहा हूँ–
बतख का बच्चा बोला।
देखो, मैं भी– चूजा बोला।

बचाओ...अचानक चूजा चिल्लाया।

बतख के बच्चे ने डूबते चूजे को
पानी से बाहर निकाला।

अब बोलो– बतख का बच्चा बोला।
क्या बोलूँ– चूजा बोला ...

सोचो और बताओ–
आगे क्या
हुआ होगा?

कहानी में आगे क्या–क्या हुआ होगा इस पर चर्चा करें। बच्चों से जलस्रोतों, पानी की उपयोगिता एवं उनकी स्वच्छता के बारे में बातचीत करें। जल के सीमित उपयोग पर बल दें।

अभ्यास

बताओ–

1. नकल करना चूजे पर कब भारी पड़ा?
2. चूजा पानी में क्यों डूबने लगा ?
3. बतख के बच्चे ने चूजे की जान कैसे बचाई ?
4. **गिनो और लिखो –**

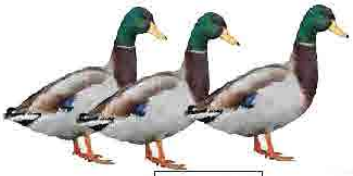

3			

5. **बिंदुओं को मिलाकर रंग भरो –**

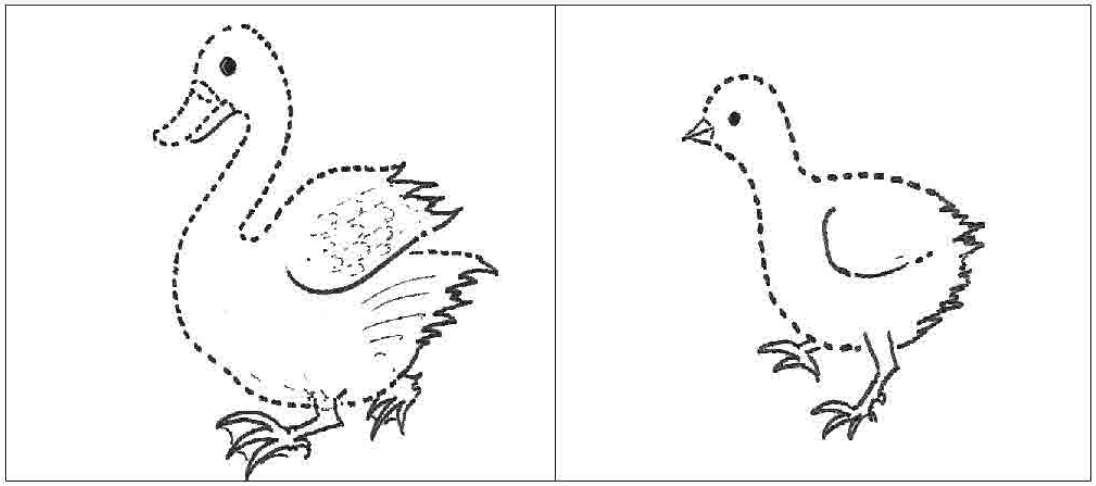

मात्रायुक्त शब्द बोलकर लिखने का अभ्यास भी कराएँ। 'पक्षी हमारी और हम पक्षियों की किस प्रकार मदद कर सकते हैं'– इस विषय पर बच्चों से चर्चा करें।